खबरों में रहे स्टॉक

भारत डायनेमिक्स

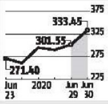

चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ बढ़ा

₹ 301.55 पिछला बंद भाव
₹ 333.45 आज का बंद भाव
▲10.58 %

एमआरएफ

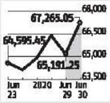

चौथी तिमाही में कर पूर्व लाभ 27 फीसदी घटा, 94 रु. प्रति शेयर का अंतिम लाभांश

₹ 65,191.25 पिछला बंद भाव
₹ 67,265.05 आज का बंद भाव
▲3.18 %

टाटा स्टील

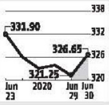

चौथी तिमाही में एबिटा बढ़कर 4,646.9 करोड़ रुपये हुआ

₹ 321.25 पिछला बंद भाव
₹ 326.65 आज का बंद भाव
▲1.68 %

गुजरात गैस

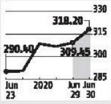

जीएसपीएल से दो भौगोलिक क्षेत्रों के हस्तांतरण को पीएनजीआरबी ने मंजूरी दी

₹ 309.45 पिछला बंद भाव
₹ 318.20 आज का बंद भाव
▲2.83 %

आईनॉक्स लेजर

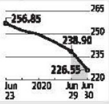

डिज्नी हॉटस्टार ने सात बड़ी बॉलीवुड फिल्मों को रिलीज करने की घोषणा की

₹ 238.90 पिछला बंद भाव
₹ 226.55 आज का बंद भाव
▼5.17 %

संक्षेप में

पंजाब ऐंड सिंध बैंक का घाटा बढ़ा

सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब ऐंड सिंध बैंक ने मंगलवार को कहा कि उसका 2019- 20 की चौथी तिमाही का शुद्ध घाटा बढ़कर 236.30 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। फंसे कर्ज के लिए प्रावधान बढ़ने की वजह से बैंक का घाटा बढ़ा है। एक साल पहले इसी अवधि में बैंक को 58.57 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। चौथी तिमाही (जनवरी से मार्च 2020) की अवधि में बैंक की कुल आय घटकर 2,289.43 करोड़ रुपये रह गई। एक साल पहले इसी अवधि में यह 2,304.37 करोड़ रुपये रही थी। आलोच्य तिमाही के दौरान बैंक ने 429.75 करोड़ रुपये का परिचालन मुनाफा हासिल किया जबकि सकल गैर- निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) बढ़कर बैंक के कुल कर्ज का 14.18 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो कि एक साल पहले इसी अवधि में 11.83 प्रतिशत थीं। *भाषा*

सेबी ने डीमैट पर राहत की समयसीमा बढ़ाई

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने मंगलवार को एक बार फिर से डिपॉजिटरी भागीदारों और शेयर हस्तांतरण एजेंटों के डीमैट आग्रह को आगे बढ़ाने के मामले में नियमों के अनुपालन में राहत दी है। कोरोनावायरस महामारी की मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक सर्कुलर जारी कर कहा है कि अनुपालन में दी गई राहत को 31 जुलाई, 2020 तक बढ़ा दिया गया है। इससे पहले नियामक ने इस संबंध में अनुपालन जरूरतों में भी छूट दी थी। *भाषा*

टाटा स्टील का दमदार प्रदर्शन

बेहतर प्रदर्शन से बाजार धारणा को मिला बल लेकिन इस्पात की कमजोर मांग से चिंता

उज्ज्वल जौहरी
मुंबई, 30 जून

मार्च तिमाही में टाटा स्टील का प्रदर्शन उम्मीद से बेहतर रहने की खबर से उत्साहित कंपनी के शेयर ने आज दिन भर के कारोबार के दौरान 5 फीसदी की बढ़त दर्ज की। हालांकि इस्पात की कमजोर मांग और ऋण संबंधी चिंताओं के कारण उसकी रफ्तार सुस्त पड़ गई और अंत में वह 1.7 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ।

हालांकि कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण पैदा हुए व्यवधान का प्रभाव कुल मिलाकर चौथी तिमाही के दौरान उल्लेखनीय रहा लेकिन कंपनी ने भूषण स्टील (अब टाटा स्टील बीएसएल) का परिचालन सुचारु होने, परिचालन कुशलता और यूरोपीय कारोबार (टाटा स्टील यूरोप) में सुधार के कारण उम्मीद से बेहतर समेकित प्रदर्शन दर्ज किया।

टाटा स्टील के भारतीय परिचालन (टाटा स्टील बीएसएल और लॉन्ग प्रोडक्ट इकाई सहित) पर लॉकडाउन का असर दिखा क्योंकि मात्रात्मक बिक्री पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 14.6 फीसदी घटकर 40.3 लाख टन रह गई। विश्लेषकों के अनुसार, मांग पर दबाव की झलक कंपनी की घरेलू बाजार की प्राप्तियों पर भी दिखी जिसमें एकल परिचालन के लिए सालाना आधार पर 8 फीसदी और क्रमिक आधार पर 10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। इस प्रकार टाटा स्टील इंडिया का प्रति टन एबिटा पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 8 फीसदी घटकर 12,573 रुपये रह गया।

टाटा स्टील बीएसएल ने दमदार प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी ने मई 2018 में 35,000 करोड़ रुपये में उसका अधिग्रहण किया था और अधिग्रहण के बाद से ही उसमें लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। मार्च तिमाही में इसका प्रति टन एबिटा 14.4 फीसदी बढ़कर 7,908 रुपये हो गया।

भारतीय कारोबार की ही तरह यूरोपीय कारोबार को भी दबाव का सामना करना पड़ रहा है लेकिन चौथी तिमाही में वह उम्मीद से कम था। टाटा स्टील यूरोप का एबिटा कमजोर मांग और प्राप्तियों के कारण सालाना आधार पर 96 फीसदी घटकर 65 करोड़ रुपये रह गया जबकि विश्लेषकों ने दिसंबर तिमाही की तरह घाटे का अनुमान जाहिर किया था।

इस परिप्रेक्ष्य में 33,770 करोड़ रुपये का समेकित राजस्व विश्लेषकों के अनुमान पर खरा उतरता है जबकि 4,669 करोड़ रुपये पर एबिटा सालाना आधार पर 38 फीसदी कम रहने के बावजूद विश्लेषकों के 4,321 करोड़ रुपये के अनुमान से अधिक रहा।

तिमाही के दौरान कंपनी की कर पूर्व आय बढ़कर 1,906 करोड़ रुपये हो गई जो एक साल पहले की समान तिमाही में 4,241 करोड़ रुपये रही थी। कंपनी ने तिमाही के दौरान इस दौरान यूरोप, विदेशी खान और भारतीय परिचालन में तमाम गैर-प्रमुख परिसंपत्तियों में कुल 3,406 करोड़ रुपये अड़चन में रहे। इस प्रकार कंपनी ने मार्च तिमाही के लिए 1,236 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा दर्ज किया।

बहरहाल, इस्पात की कमजोर मांग चिंता का एक प्रमुख वजह बनी हुई है। लॉकडाउन के कारण कारोबार प्रभावित हुआ है और मई में घरेलू इस्पात की मांग में सालाना आधार पर 65 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। वाहन और निर्माण जैसे इस्पात की खपत वाले प्रमुख क्षेत्रों पर दबाव के कारण इस्पात की मांग में कमी आई।

वित्तीय नतीजा

- मांग पर दबाव की झलक कंपनी की घरेलू बाजार की प्राप्तियों पर भी दिखी
- एकल परिचालन के लिए सालाना आधार पर 8 फीसदी और क्रमिक आधार पर 10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई
- टाटा स्टील इंडिया का प्रति टन एबिटा पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 8 फीसदी घटकर 12,573 रुपये रह गया

आईटीसी के नतीजे से बाजार उत्साहित नहीं

श्रीपाद ऑटे
मुंबई, 30 जून

आईटीसी का उम्मीद से बेहतर मार्च तिमाही परिणाम निवेशकों को आकर्षित करने में विफल रहा। कंपनी के गैर-सिगरेट एफएमसीजी व्यवसाय (आशीर्वाद, सनफीस्ट, बिंगो) का प्रदर्शन अच्छा रहा और उसने शानदार लाभांश भुगतान किया है।

इसलिए वित्त वर्ष 2021 की आय के 16 गुना के आकर्षक मूल्यांकन के बावजूद, आईटीसी का शेयर सोमवार को 1 प्रतिशत तक चढ़ा। उसके सिगरेट व्यवसाय को लेकर अनिश्चितता बरकरार है। सिगरेट कंपनी ने पिछले शुक्रवार की शाम अपने चौथी तिमाही के नतीजों की घोषणा की थी।

चौथी तिमाही में कोविड-19 संबंधित समस्याओं की वजह से कंपनी के सभी सेगमेंट में राजस्व प्रभावित हुआ। इस वजह से, सकल राजस्व सालाना आधार पर 6.3 प्रतिशत तक घटकर 11,300 करोड़ रुपये रह गया और यह 11,832 करोड़ रुपये के अनुमान के मुकाबले कम था। वहीं कर-पूर्व लाभ सालाना आधार पर 8.9 प्रतिशत तक घटकर 4,512 करोड़ रुपये रहा, जो 4,455 करोड़ रुपये के अनुमान से ज्यादा रहा।

भले ही आय के आंकड़े अनुमानों की तुलना में बेहतर हैं और एफएमसीजी व्यवसाय का परिदृश्य अच्छा बना हुआ है, लेकिन मोतीलाल ओसवाल सिक्योरिटीज का कहना है, 'जहां मूल्यांकन सस्ता दिख रहा है, वहीं दुनियाभर में सिगरेट को लेकर ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और प्रशासन) की बढ़ती चिंताओं की वजह से आईटीसी को लेकर रुझान पिछले साल के दौरान बदला है। इसके परिणामस्वरूप, वैश्विक तंबाकू प्रतिस्पर्धियों ने अपने मल्टीपल में भारी कमी दर्ज की है।'

आईटीसी अपना 85 प्रतिशत परिचालन लाभ सिगरेट व्यवसाय से हासिल करती है और वह फिलिप मॉरिस और ब्रिटिश अमेरिकी टोबैको जैसी वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले मूल्यांकन को लेकर बढ़त हासिल है।

इसके अलावा, करों में और इजाफा होने की आशंका है। फरवरी में भी सिगरेट पर कर बढ़ाया गया था। विश्लेषकों के अनुमानों के अनुसार, हालांकि इसका चौथी तिमाही के कारोबार पर आंशिक दबाव पड़ा, लेकिन कंपनी को कोविड-19 से संबंधित व्यवधान की वजह से ज्यादा गंभीर प्रभाव का सामना करना पड़ा और इससे सिगरेट बिक्री में 10-11 प्रतिशत की गिरावट को बढ़ावा मिला।

अपोलो हॉस्पिटल्स को भागीदार की तलाश

अपोलो हॉस्पिटल्स द्वारा अपने प्रोटॉन थेरपी सेंटर के लिए करीब 350 करोड़ रुपये के संभावित पूंजी निवेश के साथ भागीदार तलाशने की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है। यह सेंटर दुनिया में इस तरह का पहला आधुनिक रेडिएशन थेरेपी सेंटर है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि चेन्नई में स्थित इस केंद्र को करीब 1000 करोड़ रुपये के पूंजीगत खर्च के साथ विकसित किया जा रहा है और इसे पूरे व्यवसाय को एक अलग इकाई में स्थानांतरित किया जाएगा। अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइजेज की प्रबंध निदेशक सुनीता रेड्डी ने विश्लेषकों से बातचीत के दौरान कहा कि चेन्नई में लॉकडाउन की वजह से विकास की प्रक्रिया प्रभावित हुई है और प्रबंधन जून के अंत या जुलाई के पहले सप्ताह तक इस मुद्दे पर शेयरधारकों का समर्थन हासिल करने में सफल रहेगा। अपोलो हॉस्पिटल्स के मुख्य वित्तीय अधिकारी ए कृष्णन का कहना है कि हमारी योजना इस परियोजना पर किए जा चुके पूरे पूंजीगत खर्च को विशेष उद्देश्य वाली कंपनी में स्थानांतरित किए जाने और दो भागीदारों के बीच इक्विटी साझेदारी करने की है। उन्होंने विश्लेषकों को बताया, 'इसलिए, हम व्यवसाय स्थानांतरण समझौते पर बातचीत कर रहे हैं, जिसमें पूरी प्रोटॉन परियोजना को शामिल किया जाएगा, इसे पूरी तरह से अपोलो के बहीखाते से अलग रखा जाएगा। हम कम से कम 350 करोड़ रुपये के पूंजी निवेश पर विचार कर रहे हैं।' इस केंद्र को जनवरी 2019 में शुरू किया गया था और कंपनी चरणबद्ध तरीके से इसे पूंजीकृत कर रही है। उन्होंने कहा कि तीसरे ढांचे को अभी पूंजीकृत नहीं किया गया है और करीब 200 करोड़ रुपये का अन्य पूंजीगत खर्च अभी बाकी है। *बीएस*

ACME RESOURCES LIMITED

Registered office:- 984, 9th Floor, Aggarwal Cyber Plaza – II
Netaji Subhash Place, Pitampura, New Delhi - 110034
[Regulation 47(1) (b) of the SEBI (LODR) Regulations, 2015]

Extract for Statement of Audited Standalone and Consolidated Financial Statement of Acme Resources Limited for Quarter and Year ended 31st March 2020

(Rs. In lakhs)

SL. No.	PARTICULARS	STANDALONE				CONSOLIDATED	
		QUARTER ENDED		YEAR ENDED		YEAR ENDED	
		31.03.2020 AUDITED	31.03.2019 AUDITED	31.03.2020 AUDITED	31.03.2019 AUDITED	31.03.2020 AUDITED	31.03.2019 AUDITED
1	Total Income from Operations	272.72	407.46	1,157.44	979.78	1,657.23	1,124.64
2	Net Profit for the period (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items)	143.93	55.33	(179.75)	(948.17)	268.63	(754.70)
3	Net Profit for the period before tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	143.93	55.33	(179.75)	(948.17)	268.63	(754.70)
4	Net Profit for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	(41.88)	19.02	(277.28)	(984.81)	66.10	(850.94)
5	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	(41.88)	19.02	(277.28)	(984.81)	66.10	(850.94)
6	Equity Share Capital	2,574.40	2,574.40	2,574.40	2,574.40	2,574.40	2,574.40
7	Reserves (excluding Revaluation Reserve) as shown in the Audited Balance Sheet of the previous year	-	-	4,853.45	5,130.73	9,820.12	10,671.08
8	Net Worth	-	-	7,427.85	7,705.13	12,462.20	12,396.10
9	Earnings Per Share (for continuing and discontinued operations) - Basic:	(0.16)	0.07	(1.08)	(3.83)	0.26	-0.24
	Diluted:	(0.16)	0.07	(1.08)	(3.83)	0.26	(0.24)

1 The working results for the Quarter ended March 31, 2020 have been arrived at after considering provisions for Non-Performing and Standard Assets as per Reserve Bank of India guidelines, provision for taxes and other necessary provisions.
2 The above results have been reviewed by the audit committee and approved by the Board of Directors in their meeting held on 29/06/2020. The above results pertain to Acme Resources Limited on Standalone and Consolidation basis.
3 NBFC Business is representing the financing business and sales/purchase of properties are included under 'Property trading'.
4 The aforesaid figures are standalone financial results of the Company. Prior period figures have been regrouped wherever necessary to conform to the current period presentation.

For and on behalf of the Board
Sd/-
Director

Date : 29/06/2020

बीमार सरकारी दवा कंपनी चीन का विकल्प बनने को तैयार

सोहिनी दास
मुंबई, 30 जून

देश में लगातार बढ़ रही चीन विरोधी भावना और बल्क दवाओं के लिए वैकल्पिक स्रोतों की तलाश से हिंदुस्तान एंटीबायोटिक्स (एचएएल) जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के बीमारू उपक्रमों को नई ताकत मिल सकती है। एचएएल ने उन प्रमुख बल्क दवाओं के विनिर्माण के जरिये अपने पुनरुद्धार की योजना बनाई है जिनकी पहचान सरकार ने उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत की है।

एचएएल की प्रबंध निदेशक नीरजा सराफ ने बिजनेस स्टैंडर्ड से बातचीत करते हुए कहा, 'हमने सरकार से आग्रह किया है कि एचएएल की रणनीतिक बिक्री संबंधी निर्णय पर पुनर्विचार किया जाए।' एचएएल अपने पुणे संयंत्र में उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए 20 करोड़ रुपये के निवेश (हाल में घोषित पीएलआई योजना के तहत आवश्यक) की योजना बना रही है। कंपनी इस संयंत्र में तीन प्रमुख ऐक्टिव फार्मास्युटिकल इनग्रेडिएंट्स (एपीआई)- टेलमिसार्टन, मेरोपेनेम और गैबापेंटिम- का उत्पादन करेगी। इनमें से मेरोपेनेम की जबरदस्त मांग है। वित्त वर्ष 2021 के लिए कंपनी ने 100 करोड़ रुपये के कुल कारोबार और शून्य नुकसान का लक्ष्य रखा है। सराफ ने कहा कि कंपनी अपने आंतरित संसाधनों से 20 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। उन्होंने कहा, 'हम कुछ स्क्रैप की बिक्री कर रहे हैं और अपनी कुछ संपत्तियों को किराये पर लगा रहे हैं।' जहां तक शुरुआती क्षमता का सवाल है तो टेलमिसार्टन एवं गैबापेंटिम के लिए 100 टन प्रति महीना और मेरोपेनेम के लिए 20 टन प्रति महीना होगी। उन्होंने कहा कि दिसंबर तक उत्पादन शुरू हो जाएगा।

सरकार एपीआई के उत्पादन को प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। भारत फिलहाल अपनी 70 फीसदी एपीआई जरूरतों का आयात चीन से करता है। सरकार ने मार्च में 10,000 करोड़ रुपये की पीएलआई योजना की घोषणा की थी ताकि चीन पर निर्भता (प्रमुख एंटीबायोटिक्स, विटामिन, मधुमेहरोधी दवा आदि) को कम किया जा सके। इस योजना के तहत उन घरेलू विनिर्माताओं को 10 करोड़ रुपये उपलब्ध कराएं जाएंगे जो 53 प्रमुख एपीआई में से 41 का उत्पादन करेंगे। इसके लिए इकाइयों को पूरी तरह एकीकृत करने की आवश्यकता होगी।

एपीआई के स्वदेशी उत्पादन पर सरकारी प्रोत्साहन से सरकारी दवा कंपनी हिंदुस्तान एंटीबायोटिक्स का होगा पुनरुद्धार

सराफ ने स्पष्ट किया कि एचएएल को वर्टिकली एकीकृत किया जाएगा और वह प्रमुख शुरुआती पदार्थों (केएसएम) के अलावा एपीआई के उत्पादन के लिए आवश्यक अन्य रसायनों का उत्पादन करेगी। एचएएल ने अपने ढांचे को हल्का बनाने पर भी काम शुरू कर दिया है। उसने 375 लोगों को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) के तहत सेवानिवृत्ति दी है और सरकार से रकम उपलब्ध कराने की मांग की है।

सराफ ने कहा, 'यदि हमें रकम उपलब्ध कराया गया तो हम 300 अन्य लोगों को सेवानिवृत्ति देंगे। उसके बाद पेरोल पर 175 लोग होंगे।'

येस बैंक के निवेशकों को आयकर में छूट

इंदिवजल धस्माना
नई दिल्ली, 30 जून

पुनर्गठन योजना के तहत येस बैंक में निवेश करने वालों को आयकर में छूट का लाभ मिलेगा। इसके लिए वित्त मंत्रालय संबंधित प्रावधानों में संशोधन किया है। इस योजना के तहत येस बैंक के प्रमुख निवेशकों में भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, ऐक्सिस बैंक आदि शामिल हैं।

इसके अलावा उन शेयरधारकों को भी आयकर में छूट दी जाएगी जिन्हें उत्पीड़न एवं कुप्रबंधन सबंधी मामलों नैशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) द्वारा मंजूर समाधान योजना के बाद कंपनी अथवा उसकी सहायक इकाइयों के गैर-सूचीबद्ध शेयर आवंटित किए गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि आईएलऐंडएफएस के शेयरधारक भी इस योजना के दायरे में आ जाएंगे।

साथ ही आयकर में छूट का लाभ उन्हें भी मिलेगा जिनकी भूमि दिल्ली में सरकारी योजना के तहत नियमित किया जा रहा है।

एसपीएल इंडस्ट्रीज लि.

पंजी. कार्या : 202, दूसरी मंजिल, विक्रमादित्य टॉवर, अलकनंदा मार्किट, कालकाजी, नई दिल्ली–110019
Email: cs@spllimited.com | CIN: L74899DL1991PLC062744

प्रबंधक सूचीबद्ध विभाग, एनएसई / बीएसई

31 मार्च, 2020 को समाप्त तिमाही / वर्ष के लिए स्टैंडलोन वित्तीय परिणामों का सार

(आंकड़े रु. लाख में)

विवरण	समाप्त तिमाही 31.03.2020 अंकेक्षित	समाप्त तिमाही 31.03.2019 अनंकेक्षित	समाप्त तिमाही 31.03.2019 अंकेक्षित	समाप्त वर्ष 31.03.2020 अंकेक्षित	समाप्त वर्ष 31.03.2019 अंकेक्षित
प्रचालनों से कुल आय (शुद्ध)	3,776.75	3,316.03	3971.16	18,682.78	15,977.34
साधारण गतिविधियों से शुद्ध लाभ / (हानि) (असाधारण मदों से पहले)	631.23	601.69	484.85	3,028.96	2,716.81
साधारण गतिविधियों से शुद्ध लाभ / (हानि) (असाधारण मदों के बाद)	631.23	601.69	484.85	3,028.96	2,716.81
कर के बाद अवधि के लिए शुद्ध लाभ / (हानि) (असाधारण मदों के बाद)	731.51	601.69	484.85	3,127.24	2,716.81
कर के बाद कुल समग्र आय (शामिल लाभ / कर) और अन्य समग्र आय (कर के बाद)	733.81	601.69	483.42	3,129.54	2,715.38
इक्विटी शेयर पूंजी	2,900.00	2,900.00	2,900.00	2,900.00	2,900.00
आरक्षित (पूर्व वर्ष के तुलन पत्र में दर्शाए अनुसार आरक्षित मूल्यांकन को छोड़कर)			–	–	–
अर्जन प्रति शेयर (असाधारण मदों से पहले) (रु. 1 / – प्रत्येक के)			–	–	–
बेसिक :	2.18	2.07	1.67	10.44	9.37
डायलूटिड :	2.18	2.07	1.67	10.44	9.37
अर्जन प्रति शेयर (असाधारण मदों से पहले) (रु. 1 / प्रत्येक के)			–	–	–
बेसिक :	2.52	2.07	1.67	10.78	9.37
डायलूटिड :	2.52	2.07	1.67	10.78	9.37

नोट :
1. उक्त वित्तीय परिणामों की लेखा समिति द्वारा समीक्षा की गई है और 29 जून, 2020 को आयोजित उनकी बैठक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किए गए हैं। वैधानिक अंकेक्षकों ने 31 मार्च, 2020 को समाप्त तिमाही / वर्ष के लिए इन परिणामों का परीक्षण किया है।
2. यह विवरण कंपनीज अधिनियम 2013 की धारा के अंतर्गत निर्धारित कंपनीज (भारतीय लेखा मानकों) नियमावली, 2015 (इंड एएस) और विस्तार के लिए लागू अन्य मान्यताप्राप्त लेखा अभ्यासों और नीतियों के अनुसार तैयार किए गए हैं। कंपनी ने 01 अप्रैल, 2017 से इंड–एएस को अपनाया है।
3. निदेशक मंडल की बैठक निर्धारित समय पर 29 जून, 2020 को आयोजित की गई थी और उक्त परिणाम अनुमोदित किए गए थे।
4. इंड एएस 108 "प्रचालन खंड" के अनुसार, कंपनी ने स्टैंडलोन वित्तीय परिणामों की पार्टी के रूप में केवल खंड जानकारी को बंद किया है।
5. 01 अप्रैल, 2018 से प्रभावी, कंपनी ने ग्राहकों के साथ अनुबंध से इंड–एएस 115 – राजस्व अपनाया है। इंड एएस 115 को अपनाने पर प्रभाव वित्तीय विवरणों पर महत्वहीन हैं।
6. 01 अप्रैल, 2019 से प्रभावी, कंपनी ने इंड–एएस 116 – लीज अपनाया है। इंड एएस 116 को अपनाने पर प्रभाव वित्तीय विवरणों पर महत्वहीन हैं।
7. 31 मार्च, 2020 को समाप्त तिमाही के दौरान एक शिकायत प्राप्त हुई और उसे हल कर लिया गया।
8. पूर्व वर्ष / अवधि आंकड़ों को जहां कहीं आवश्यक समझा गया, पुन र्निर्मित, पुन समूहित / पुन वर्गीकृत किया गया है।

बिज़नेस स्टैंडर्ड

दिल्ली संस्करण

बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा द इंडियन एक्सप्रेस (प्रा.) लिमिटेड, ए-8, सेक्टर-7, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर-201301, उ. प्र. से मुद्रित एवं नेहरु हाउस, 4 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित
संपादकः कैलाश नौटियाल

आरएनआई न० DELHIN/2008/27804
पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं।
टेलीफोन- 011-23720202-10 फैक्स 011-23720201
सब्सक्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए कृपया सम्पर्क करें..
सुश्री मानसी सिंह
हेड कस्टमर रिलेशन्स
बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड, एच/4 एवं आई/3, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, बिड़ला सेंचुरियन के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई-400013
ई मेल.. subs_bs@bsmail.in
या 57007 पर एसएमएस करें SUB BS

डिस्क्लेमर.. बिज़नेस स्टैंडर्ड में प्रकाशित समाचार रिपोर्ट और फीचर लेखों के माध्यम से बाजारों, कॉर्पोरेट जगत और सरकार से जुड़ी घटनाओं की निष्पक्ष तस्वीर पेश करने का प्रयास किया जाता है। बिज़नेस स्टैंडर्ड के नियंत्रण एवं जानकारी से परे परिस्थितियों के कारण वास्तविक घटनाक्रम भिन्न हो सकते हैं। समाचार पत्र में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर पाठकों द्वारा किए जाने वाले निवेश और लिए जाने वाले कारोबारी निर्णयों के लिए बिज़नेस स्टैंडर्ड कोई जिम्मेदारी नहीं लेता है। पाठकों से स्वयं निर्णय लेने की अपेक्षा की जाती है। बिज़नेस स्टैंडर्ड के सभी विज्ञापन सद्भाव में स्वीकार किए जाते हैं। इनके साथ बिज़नेस स्टैंडर्ड न तो जुड़ा हुआ है और न ही उनका समर्थन करता है। विज्ञापनों से संबंधित किसी भी प्रकार का दावा संबंधित विज्ञापनदाता से ही किया जाना चाहिए।
मैं0 बिज़नेस स्टैंडर्ड प्रा0 लि0 का सर्वाधिकार सुरक्षित है। बिज़नेस स्टैंडर्ड प्रा0 लि0 से लिखित अनुमति लिए बगैर समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी सामग्री का किसी भी तरह प्रकाशन या प्रसारण निषिद्ध है। किसी भी व्यक्ति या वैधानिक निकाय द्वारा इस तरह का निषिद्ध एवं अनधिकृत कार्य करने पर दीवानी और फौजदारी कार्यवाही शुरु की जाएगी।

कोई हवाई अधिभार नहीं

बैंक वसूली को कोविड का झटका

अभिजित लेले
मुंबई, 30 जून

- एसऐंडपी ग्लोबल रेटिंग्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड से भारतीय बैंकों की वसूली सुस्त पड़ जाएगी
- 31 मार्च 2021 को समाप्त वित्त वर्ष में कुल ऋण का करीब 13 से 14 फीसदी हिस्सा एनपीए होगा

कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण भारतीय बैंकिंग क्षेत्र की वसूली वर्षों पीछे लटक सकती है जिससे ऋण प्रवाह को झटका लगेगा और अंततः अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी। भारत में डूबते ऋण का आकार एक नई ऊंचाई तक पहुंच जाएगा जिससे उधारी की लागत बढ़ेगी और रेटिंग पर दबाव बढ़ेगी। वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसऐंडपी ग्लोबल रेटिंग्स की ओर से आज प्रकाशित एक रिपोर्ट- कोविड ऐंड इंडियन बैंक्सः वन स्टेप फॉरवर्ड, टू स्टेप्स बैक- में यह अनुमान जाहिर किया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हम उम्मीद करते हैं कि 31 मार्च 2021 को समाप्त वित्त वर्ष में कुल ऋण का करीब 13 से 14 फीसदी हिस्सा गैर-निष्पादित ऋण होगा जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में इसका अनुमानित आंकड़ा 8.5 फीसदी है। कुल मिलाकर, इस

इसका मतलब साफ है कि बैंकों को बड़े पैमाने पर डूबते ऋण के साथ नए वर्ष में प्रवेश करना पड़ेगा। भारतीय ऋणदाताताओं को ऐसा लग रहा था कि उनकी डूबती परिसंपत्ति की वसूली हो जाएगी। नए दिवालिया कानून सहित कई दौर के आक्रामक सुधार जैसे तमाम कारकों के मद्देनजर उन्हें लगता था कि उनकी उधारी लागत नियंत्रण में है। इसके अलावा सरकार ने पिछले चार वर्षों के दौरान सरकारी बैंकों में करीब 30 अरब डॉलर की पूंजी डाली है। इससे भी स्थिति को बेहतर करने में मदद मिली। लेकिन उसके बाद कोविड-19

निष्पादित ऋण का आकार एक नई ऊंचाई तक पहुंच जाएगा और उधारी लागत में वृद्धि होगी। इससे अंततः रेटिंग पर दबाव बढ़ेगा।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'हमारा मानना है कि वित्त वर्ष 2022 (31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष) में गैर-निष्पादित ऋण में करीब 100 आधार अंकों का सुधार होगा।'

इसका असर बैंकों के मुकाबले वित्तीय कंपनियों पर अधिक दिखेगा। कुछ वित्तीय कंपनियां कमजोर ग्राहकों ऋण देती हैं और थोक फंडिंग पर उनका भरोसा अधिक होता है। जबकि वर्ष 2018 में आईएलऐंडएफएस डिफॉल्ट के बाद से ही इन कंपनियों का भरोसा डगमगा चुका है।

चालू वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 2021) के लिए उधारी में वृद्धि की रफ्तार भी सुस्त बरकरार रहने का अनुमान है। एसऐंडपी ने कहा है, 'हमारे आकलन के अनुसार चालू वित्त वर्ष के लिए प्रणाली में निचले एकल अंक में ऋण वृद्धि होगी जिसे मुख्य तौर पर सरकारी गारंटी वाले छोटे कारोबारी ऋण